UNIVERSITY NEWS 25 MAY 2026

AMAR UJALA

पाठ्यक्रम निर्माण में उद्योग विशेषज्ञों और पुरातन छात्रों की होगी भागीदारी

लविवि ने बोर्ड ऑफ स्टडीज के ढांचे में किया बदलाव, शोधार्थियों को भी मिलेगा स्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अब अपने पाठ्यक्रमों को अधिक व्यावहारिक, वैश्विक और उद्योगोन्मुख बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रहा है। विश्वविद्यालय ने निर्णय लिया है कि अब हर विभाग के पाठ्यक्रम निर्माण में उद्योग विशेषज्ञों, पुरातन छात्रों और शोधार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

इसके लिए विवि ने बोर्ड ऑफ स्टडीज के ढांचे में बदलाव किया है। नए प्रावधान के तहत प्रत्येक विभाग के अध्ययन मंडल में शोध छात्र, उद्योग विशेषज्ञ और पूर्व छात्र शामिल किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि त्रिस्तरीय भागीदारी से पाठ्यक्रमों को वर्तमान बाजार, अनुसंधान और रोजगार की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने में मदद मिलेगी। इस संबंध में कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने सभी विभागों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

विश्वविद्यालय के अनुसार इस पहल से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और व्यावहारिक शिक्षा मिल सकेगी। साथ ही उन्हें भविष्य की चुनौतियों और रोजगारपरक जरूरतों के लिए बेहतर तरीके से तैयार किया जा सकेगा। शिक्षा और उद्योग के बीच मौजूद दूरी को कम करने में भी यह व्यवस्था सहायक मानी जा रही है।

> “पुरातन छात्रों का अनुभव वर्तमान छात्रों के लिए मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान करेगा। यह त्रिस्तरीय दृष्टिकोण पाठ्यक्रम को गतिशील और अद्यतन बनाए रखेगा। इसका सीधा लाभ छात्रों को उनके कॅरिअर विकास में मिलेगा, जो आज के दौर में बहुत जरूरी है।
> - प्रो. जेपी सैनी, कुलपति

विधि शिक्षा में भी इस बदलाव का विशेष प्रभाव देखने को मिलेगा। विश्वविद्यालय व्यावसायिक अभ्यास के दायरे को और व्यापक तथा व्यावहारिक बनाने की तैयारी कर रहा है, ताकि विधि के छात्र वास्तविक कानूनी परिस्थितियों को बेहतर ढंग से समझ सकें और पेशेवर जीवन में सफल हो सकें।

शोधार्थियों को अध्ययन मंडल में शामिल किए जाने से अनुसंधान आधारित शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। वहीं उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी से पाठ्यक्रमों को नवीनतम औद्योगिक प्रवृत्तियों के अनुरूप अपडेट किया जा सकेगा।

DAINIK JAGRAN

एमए व एमएड का संशोधित परीक्षा कार्यक्रम जारी

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एम.ए एजुकेशन और एम.एड चौथे सेमेस्टर के परीक्षा कार्यक्रम में संशोधन के साथ एम.ए एआइएच की समय सारिणी भी जारी कर दी है। एम.ए एजुकेशन और एम.एड चौथे सेमेस्टर (सीबीसीएस) की परीक्षाएं 30 मई से आठ जून तक होंगी। इनका समय सुबह 8:30 बजे से 11:30 बजे तक रहेगा। वहीं, एम.ए एआइएच (ग्रुप ए) और ग्रुप बीच चौथे सेमेस्टर सीबीसीएस सिस्टम की परीक्षाएं एक से 12 जून तक संचालित की जाएंगी। विस्तृत समय सारिणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर अपलोड की गई है।

DAINIK JAGRAN

पीएचडी प्रवेश की फीस जमा करने का मौका

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएच.डी में प्रवेश के लिए नौ विषयों में दूसरे चरण के अभ्यर्थियों को सीट आवंटन जारी कर 25 मई तक फीस जमा करने का समय दिया है। इनमें कामर्स, एजुकेशन, इंग्लिश, हिंदी, एमआइएच, पालीटिकल साइंस, सोशल वर्क, सोशियोलाजी व जुलाजी विषय शामिल है। वहीं, दूसरे चरण में बाटनी और जियोग्राफी में सीट आवंटन कर इसी अवधि तक फीस जमा करने के लिए समय दिया है।

सांख्यिकी में प्रयोगात्मक परीक्षा तीन जून को

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग की अध्यक्ष प्रो. शशि भूषण ने प्रयोगात्मक परीक्षा की तिथि जारी कर दी है। बी.ए, बी.एससी चौथे सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षा तीन जून को सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएगी।

लवि-प्रोन्नति के लिए आवेदन प्रक्रिया स्थगित

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने विभिन्न विभागों में कार्यरत शिक्षकों के कैरियर एडवांसमेंट योजना के अंतर्गत अलग-अलग स्टेज/अकादमिक लेवल पर प्रोन्नति के लिए चल रही आवेदन प्रक्रिया अग्रिम आदेशों तक स्थगित कर दी है। कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने इसकी सूचना जारी की है।

I NEXT

एडमिशन फीस जमा करने का मौका

एलयू ने पीएचडी में प्रवेश के लिए नौ विषयों में दूसरे चरण के अभ्यर्थियों को सीट आवंटन जारी कर 25 मई तक फीस जमा करने का समय दिया है. इनमें कामर्स, एजुकेशन, इंग्लिश, हिंदी, एमआइएच, पालीटिकल साइंस, सोशल वर्क, सोशियोलाजी व जुलाजी विषय शामिल है.

संशोधित परीक्षा कार्यक्रम जारी हुआ

एलयू ने एमए एजुकेशन और एमएड चौथे सेमेस्टर के परीक्षा कार्यक्रम में संशोधन के साथ एमए एआइएच की समय सारिणी भी जारी कर दी है. एमए एजुकेशन और एमएड चौथे सेमेस्टर (सीबीसीएस) की परीक्षाएं 30 मई से आठ जून तक होंगी. एमए एआइएच (ग्रुप ए) और ग्रुप बीच चौथे सेमेस्टर सीबीसीएस सिस्टम की परीक्षाएं एक से 12 जून तक होंगी.

TIMES OF INDIA

LU to roll out diploma in tourism from 2026-27 session

Lucknow: Lucknow University's Department of Ancient Indian History and Archaeology (AIHA) will introduce a one-year diploma course in tourism from the 2026–27 academic session. The department will offer the course for postgraduates in history or other subjects.

"A diploma in tourism from an AIHA department combines travel skills with historical knowledge. It will prepare students for roles such as heritage site managers, cultural tour operators and certified guides," said Prof Durgesh Srivastava.

Department teachers said the course has been designed to meet industry requirements. It will offer opportunities such as working as a heritage tour guide and designing tour itineraries for agencies. TNN